॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

भक्तमालहरिभक्तिप्रकाशिका।



यह उलथा खेतडीनिवासी दासानुदास हरिप्रपन्न रामानुजदास उपनाम हरिवर ज्ञाति कायस्थ माथुरमाणिक्य भंडारीने किया और श्रीयुत देवराज रामानुजदास श्रीनिवास-दासजीके मार्फत छापनेको दिया।

जिसको

मुरादाबादनिवासी पण्डित ज्वालाप्रसाद मिश्रने हरिभक्तमहात्माओंके चित्तविनोदार्थ स्पष्ट भाषामें दोहे कवित्तादि समावेशपूर्वक सर्वसाधारणके पढने योग्य संकलित किया.

उसको

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास
अध्यक्ष "लक्ष्मीवेंकटेश्वर" छापेखानेमें
मैनेजर पं० शिवदुलारे वाजपेयीने मालिकके लिये
छापकर प्रकाशित किया.

संवत् १९८१, शके १८४६.

कल्याण-मुंबई.